



MADHYA PRADESH

02AA 639019

34171/2005

Serial No. \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

6 DEC 2005



:- श्री :-  
// वसीयतनामा //

में यह वसीयत पत्र निष्पादित कर देने वाला कलाशंकर पिता रामकिशन अग्रवाल, निवासी 22, मल्हारगंज, गली नंबर 2, इन्दौर निम्नानुसार निष्पादित कर देता हूँ कि :-

118 यह कि, मेरा स्वास्थ्य विगत 3-4 महीनों से अत्यन्त नाजुक चल रहा है, मेरे जीवन के 100 वर्ष अब पूर्ण हो जाते इसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिये मैं अपनी निम्न अन्ततम इच्छा के लिये यह वसीयत नामा मेरे पुत्र नरेश अग्रवाल निवासी 27, कैलाश मार्ग इन्दौर के हक में निष्पादित कर रहा हूँ।

128 यह कि, मेरे परिवार में मेरी पत्नि श्रीमति कमलादेवी अग्रवाल, पुत्र नरेश अग्रवाल एवं तीन पुत्रियां राखी पति राजेश अग्रवाल, रेखा पति मंदेश अग्रवाल एवं आशा पति रमेश अग्रवाल हैं। मैंने मेरी तीनों पुत्रियों की शादी कर दी है और जो कुछ उन्हें देना था अपनी इच्छानुसार दे दिया है एवं मेरी तीनों पुत्रियां अपने - अपने घरों में

ATTESTED

MOHAN PAL  
NOTARY DIST. INDORE

6 DEC 2005

17026  
6 DEC 2003

Handwritten text in Devanagari script, possibly a signature or name, written diagonally across the page.

Handwritten text in Devanagari script, possibly a date or reference number, located in the lower right quadrant.

2003/11/12  
6 DEC 2003



ATTN: ...

NOV 11 2003

11/3/11

पूर्व में :- प्लॉट क्र० 551  
 पश्चिम में :- खुली सड़क  
 दक्षिण में :- प्लॉट क्र० 507  
 उत्तर में :- खुली सड़क स्थित है ।

§68 यह कि, उपरोक्त चरण क्रमांक तीन में वर्णित सम्पत्ति मेरे जीवित अवस्था में मेरी, मेरी भाई के साथ संयुक्त मालकी की एवं मेरी मृत्यु के पश्चात यह सम्पत्ति मेरे पुत्र अशोक नरेश अग्रवाल को प्राप्त होगी म मेरा पुत्र नरेश अग्रवाल मेरी मृत्यु पश्चात इस सम्पत्ति का मेरे भाई श्री प्रकाशचंद के साथ संयुक्त रूप से स्वामी एवं आधिपत्यधारी होगा । उपरोक्त चरण क्रमांक चार में वर्णित सम्पत्ति जिसका मैं एक मात्र मालिक हूँ जब तक मैं विवृत रहूँगा तब तक उसका मालिक रहूँगा तथा मेरी मृत्यु के उपरान्त उक्त सम्पत्ति का एक मात्र मालिक मेरा पुत्र नरेश अग्रवाल होगा एवं इसी प्रकार चरण क्रमांक पांच में वर्णित प्लॉट जो मेरे एवं श्रीमती गुलाबबाई मदनलाल गिरतल के संयुक्त नाम से है पर जब तक मैं जीवित रहूँगा तब तक उक्त प्लॉट मेरे एवं श्रीमती गुलाबबाई के संयुक्त नाम से रहेगा तथा मेरी मृत्यु के उपरान्त मेरा उक्त उक्त प्लॉट में श्रीमती गुलाबबाई के साथ संयुक्त रूप से मालिक एवं आधिपत्य धारी रहेगा ।



SIGNED BEFORE ME

ATTESTED

MOHAN PAL

NOTARY DISTT. INDORE

M. P. GOVT.

6 DEC 2005

§78 यह कि, मेरी यह अंतिम वसीयत है तथा इसके पूर्व की कोई वसीयत यदि पाई जावे तो वह इस वसीयत नाम के निष्पादित हो जाने के पश्चात शून्यत्व घोषित की जावे ।

अतः यह वसीयतनामा मुझ निष्पादक ने पढ़कर सुनकर समझकर पूर्ण होश इत्सा में बिना नशा पानी किये बिना किसी दबाव प्रभाव के दो गवाहों के समक्ष हस्ताक्षर कर निष्पादित एवं संपादित कर ली, जो सही ताकि वक्त जरूरत काम आये

SIGNED BEFORE ME

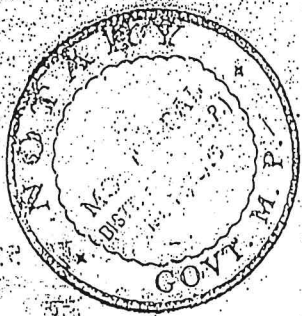
6 DEC 2005

शशि शर्मा :-  
 1. मोहन शर्मा  
 203, SUKARNAR V. Nagar,  
 INDORE

महेश  
 2. (गंगम राय) 912  
 42 देवराज मार्ग  
 इन्दौर  
 दिनांक: 6.12.2005  
 गवाह :-

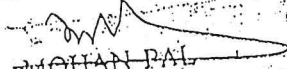
निष्पादक  
 श्रीमती सुनीता शर्मा  
 सही सहप्रतिवातागण

(3)



प्रमाणिकरण नं. का 3471/05 दिनांक 6/12/05 को  
 श्री विद्याधर चंद विलास वरमकिशन कजुकाठ  
 पि 6/12/05 को एम. ए. पृष्ठ का वसीयत नामा (WILL)  
 हमारे सामने हमारे कार्यालय पर / ~~पुस्तक~~ विषय पर सम्पादन  
 हेतु प्रस्तुत किया। हमने सम्पूर्ण लेख व वसीयत कर्ता को  
 पढ़कर सुनाया व समझाया व ~~उक्त~~ लेख को  
 स्वीकार करते हुए अपने हस्ताक्षर व ~~नाम~~ तय  
 कर ~~उक्त~~ सम्पादन। हमने इस लेख में अन्वयि प्रथम वसीयत  
 कर्ता से किये गये उनके उत्तर उन्होंने सकारात्मक फारक दिये  
 वसीयत कर्ता स्वस्थ मानसिक दशा में है व अपनी सम्पत्ति  
 का निराकरण करने में सक्षम है। श्री साक्षियों ने वसीयत  
 कर्ता के समक्ष हस्ताक्षर किये व ~~उक्त~~ गवाहदारी  
 से पहिचाना। अतः वसीयत पर (WILL) प्रमाणित कि जाती है।

ATTESTED

  
 MOHAN PAL  
 NOTARY DISTT. INDORE  
 M. R. GOVD.  
 6 DEC 2005

// 2 //

§ 3§ यह कि, मेरे स्वामित्व का एक मकान पुराना म्यु  
मो नं० 64 व वर्तमान में म्यु मो नं० 22 मेरे भाई श्री प्रकाशचंद  
पिता रामकिशन के संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य का है। इस  
मकान नंबर पैकी दो घरमा डिस्टा उत्तर मुखी जो डाई मंजिला  
है जिसकी उत्तर दक्षिण लम्बाई 91 फीट एवं पूर्व पश्चिम चौडाई  
का उत्तर तिरा 10.9 फीट एवं आगे व पीछे का 11.3 फीट  
है। यह मकान मेरे व मेरे भाई प्रकाशचंद ने संयुक्त रूप से फर्म  
सीताराम लालचंद चौधरी कर्ता मदनलाल चौधरी से राजीकृष्ण  
द्विक्रय पत्र क्रमांक 1-अ/1964 दिनांक 26.4.1967 के द्वारा  
क़य किया था तभी से यह सम्पत्ति हमारे स्वामित्व एवं  
आधिपत्य में है। इस मकान की चर्तुसीमा निम्नानुसार है :-

पूर्व में :- इसी मकान का शेष भाग  
पश्चिम में :- इसी मकान का शेष भाग  
उत्तर में :- सड़क  
दक्षिण में :- गली

§ 4§ यह कि, मेरे स्वामित्व एक एक प्लॉट लक्ष्मीबाई  
नगर मंडी प्रांगण्ड इन्दौर पर स्थित होकर जिसका साईज  
25 x 100 फीट होकर कुल 2500 वर्गफीट है जिसकी चर्तुसीमा  
निम्नानुसार है :-

पूर्व में :- इन्डस्ट्रीयल स्टेट एरिया  
पश्चिम में :- मण्डी की सड़क  
उत्तर में :- प्लॉट नं० 49  
दक्षिण में :- प्लॉट नं० 47 स्थित है।

§ 5§ यह कि, मेरी मालिकी एवं स्वामित्व का एक प्लॉट  
विदुर नगर इन्दौर में श्रीमती गुलाबबाई मदनलाल मित्तल के  
संयुक्त नाम से है। उक्त प्लॉट का नंबर 552 होकर जिसका  
साईज 60 x 50 फीट होकर कुल 3000 वर्गफीट है जिसकी चर्तुसीमा  
निम्नानुसार है :-

ATTESTED

MOHAN PAL  
NOTARY DIST. INDORE  
M. B. GOVT.

